

द्वादशः पाठः

# विमानयानं रचयाम

राघव! माधव! सीते! ललिते!

विमानयानं रचयाम । नीले गगने विपुले विमले वायुविहारं करवाम ।।।।।

> उन्नतवृक्षं तुङ्गं भवनं क्रान्त्वाकाशं खलु याम । कृत्वा हिमवन्तं सोपानं चन्दिरलोकं प्रविशाम ।।2।।

शुक्रश्चन्द्रः सूर्यो गुरुरिति ग्रहान् हि सर्वान् गणयाम । विविधाः सुन्दरताराश्चित्वा मौक्तिकहारं रचयाम ॥३॥

> अम्बुदमालाम् अम्बरभूषाम् आदायैव हि प्रतियाम । दु:खित-पीडित-कृषिकजनानां गृहेषु हर्षं जनयाम ।।4।।

> > - डॉ. विश्वास:

## शब्दार्थाः

विमानयानम् - हवाई जहाज aeroplane

रचयाम - (हम) बनाएँ should make

विपुले - विस्तृत (आकाश) में expansive

विमले - निर्मल (आकाश) में clear

वायुविहारम् - वायुयात्रा (आकाश में यात्रा) flying in the sky

should do

should go

**करवाम** - (हम) करें

उन्नतवृक्षम् - ऊँचे वृक्ष को high tree

तुङ्गम् - ऊँचा high

क्रान्त्वा - पार करके crossing over

**याम** - (हम) चलें

**हिमवन्तं सोपानम्** - बर्फ की सीढ़ी को ice-ladder

चन्दिरलोकम् - चन्द्रलोक को moonland

प्रविशाम - (हम) प्रवेश करें should enter

गणयाम - (हम) गिनें should count

चित्वा - चुनकर picking up

मौक्तिकहारम् - मोतियों के हार को pearl neckless

अम्बुदमालाम् - बादलों की माला को cloud-garland

अम्बरभूषाम् - आकाश की शोभा को beauty of sky

प्रतियाम - (हम) लौटें should return

जनयाम - (हम) उत्पन्न करें should create

आदाय - लेकर taking



### 1. पाठे दत्तं गीतं सस्वरं गायत।

2.	कोष्ठकान्तर्गतेषु शब्देषु तृतीया-विभक्तिं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-
	<mark>यथा</mark> - नभ: <u>चन्द्रेण</u> शोभते। (चन्द्र)
	(क) सा जलेन मुखं प्रक्षालयति। (विमल)
	(ख) राघव: विहरति। (विमानयान)
	(ग) कण्ठः शोभते। (मौक्तिकहार)
	(घ) नभ: प्रकाशते। (सूर्य)
	(ङ) पर्वतिशिखरम आकर्षकं दश्यते। (अम्बदमाला)

	(ङ) पवताशखरम् आकषक दृश्यता (अम्बुद	(માલા)
3.	भिन्नवर्गस्य पदं चिनुत-	भिन्नवर्गः
	यथा- सूर्य:, चन्द्र:, अम्बुद:, शुक्र:।	अम्बुद:
	(क) पत्राणि, पुष्पाणि, फलानि, मित्राणि।	***************************************
	(ख) जलचर:, खेचर:, भूचर:, निशाचर:।	***************************************
	(ग) गाव:, सिंहा:, कच्छपा:, गजा:।	***************************************
	(घ) मयूरा:, चटका:, शुका:, मण्डूका:।	***************************************
	(ङ) पुस्तकालयः, श्यामपट्टः, प्राचार्यः, सौचिकः।	•••••
	(च) लेखनी, पुस्तिका, अध्यापिका, अजा।	***************************************
4.	प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-	
	(क) के वायुयानं रचयन्ति?	

- (ख) वायुयानं कं-कं क्रान्त्वा उपरि गच्छति?
- (ग) वयं कीदृशं सोपानं रचयाम?
- (घ) वयं कस्मिन् लोके प्रविशाम?

- (ङ) आकाशे का: चित्वा मौक्तिकहारं रचयाम?
- (च) केषां गृहेषु हर्षं जनयाम?
- 5. विलोमपदानि योजयत-

उन्नत:	पृथिव्याम्
गगने	असुन्दर:
सुन्दर:	अवनत:
चित्वा	शोक:
दु:खी	विकीर्य
हर्ष:	सुखी

6. समुचितैः पदैः रिक्तस्थनानि पूरयत-

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	भानु:	भानू	
द्वितीया	•••••		गुरून्
तृतीया	•••••	पशुभ्याम्	*****
चतुर्थी	साधवे		******
पञ्चमी	वटो:	•••••	•••••
षष्ठी	गुरो:	•••••	******
सप्तमी	शिशौ	•••••	•••••
सम्बोधन	हे विष्णो!	*********	•••••

### 7. पर्याय-पदानि योजयत-

<del>}</del>	
गगन	जलद:
विमले	निशाकर:
चन्द्र:	आकाशे
सूर्य:	निर्मले
अम्बुद:	दिवाकर: